

老人力

(日) 赤濑川原平 著

个个译

老人力，并非老人身上的力，而是一种自然力。
放松，做减法，过顺势的生活，慢慢走，反而快……

?

芥川奖得主、“享受生活的达人”赤濑川原平代表作！

日本年度畅销书冠军，荣获日本年度“话题”奖！

台湾地区销量达43万册！



世界知识出版社

老人力

(日)

赤瀬川原平

个个译

著



世界出版

出版社

图字：01-2011-4294号

RÓJIN-RYOKU

Copyright © 2001 by Genpei AKASEG AWA

First published in 2001 in Japan by CHIKUMASHOBO LTD.

Simplified Chinese translation rights arranged with CHIKUMASHOBO LTD
through Japan Foreign -Rights Centre/Bardon-Chinese Media Agency

图书在版编目(CIP)数据

老人力/(日)赤濑川原平著;个个译. —北京:世界知识出版社, 2013. 11
ISBN 978-7-5012-4559-8

I. ①老… II. ①赤… ②个… III. ①散文集—日本—现代 IV. ①I313.65
中国版本图书馆CIP数据核字(2013)第243298号

老人力

Laoren Li

作 者 (日)赤濑川原平 译 者 个 个

策 划 世知东方

责任编辑 白小微

责任出版 刘 喆

装帧设计 周周设计局

内文制作 宁春江

出版发行 世界知识出版社

地 址 北京市东城区干面胡同51号(100010)

网 址 www.wap1934.com www.ao1934.org

联系电话 010-65265919 65265956(直销)

经 销 新华书店

印 刷 北京中振源印务有限公司

开本印张 880×1280毫米 1/32 8.5 印张

字 数 125千字

版次印次 2014年1月第一版 2014年1月第一次印刷

标准书号 ISBN 978-7-5012-4559-8

原版书号 ISBN 4-480-03671-7 C0195

定 价 28.00元

(凡印刷、装订错误可随时向出版社调换。联系电话:010-65265919)

《老人力》最初刊登在《东京新闻》的随笔专栏上，接着在月刊杂志《筑摩》和《一本书》上同时连载，1998 出版了单行本，并成为当年日本年度畅销书冠军。随即于次年出版了《老人力》②，2001 年出版了文库本。文库本收录了两册单行本的内容，本书即根据文库本翻译。

①

“嘿，您说的那个我懂”	003
忘却力从何而来	010
“啊”的一声叹息	017
茶余饭后的叹息	024
老人是家的守护神	031
满载老人力的救护车	038
笨拙的思考有如休息	045
寻找老人力的萌芽期	052
苏联解体和嗜好的关系	059
老相机和劳动爱好	065
晨间读报有感	073
探寻睡眠力	080
东京巨蛋的空席	087
存在于物体中的老人力	095
忘在的士上的莱卡相机	102
一年一度的健康体检	109
隔夜消息非新闻	116
后 记	129

安装删除键的世界·····	133
摔倒了不轻易爬起的力·····	138
被物理性证明的老人力·····	145
老人力与年轻人·····	153
要睡着了呀·····	158
魔芋的故乡·····	165
试析农村力·····	171
孤岛的老人力·····	178
“老人力”一词使用混乱·····	186
有关吃喝的日记·····	193
遭遇背水阵·····	212
造墓的准备·····	220
在巴黎的宾馆呼呼大睡·····	227
宇宙的顺路·····	234
墓浴缸·····	242
最后想要的东西·····	249
最后的话·····	253
花甲红娃娃衣帽·····	256
“老人力”的秘密·····	259
译后记·····	265



2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033	2034	2035	2036	2037	2038	2039	2040	2041	2042	2043	2044	2045	2046	2047	2048	2049	2050	2051	2052	2053	2054	2055	2056	2057	2058	2059	2060	2061	2062	2063	2064	2065	2066	2067	2068	2069	2070	2071	2072	2073	2074	2075	2076	2077	2078	2079	2080	2081	2082	2083	2084	2085	2086	2087	2088	2089	2090	2091	2092	2093	2094	2095	2096	2097	2098	2099	2100	2101	2102	2103	2104	2105	2106	2107	2108	2109	2110	2111	2112	2113	2114	2115	2116	2117	2118	2119	2120	2121	2122	2123	2124	2125	2126	2127	2128	2129	2130	2131	2132	2133	2134	2135	2136	2137	2138	2139	2140	2141	2142	2143	2144	2145	2146	2147	2148	2149	2150	2151	2152	2153	2154	2155	2156	2157	2158	2159	2160	2161	2162	2163	2164	2165	2166	2167	2168	2169	2170	2171	2172	2173	2174	2175	2176	2177	2178	2179	2180	2181	2182	2183	2184	2185	2186	2187	2188	2189	2190	2191	2192	2193	2194	2195	2196	2197	2198	2199	2200	2201	2202	2203	2204	2205	2206	2207	2208	2209	2210	2211	2212	2213	2214	2215	2216	2217	2218	2219	2220	2221	2222	2223	2224	2225	2226	2227	2228	2229	2230	2231	2232	2233	2234	2235	2236	2237	2238	2239	2240	2241	2242	2243	2244	2245	2246	2247	2248	2249	2250	2251	2252	2253	2254	2255	2256	2257	2258	2259	2260	2261	2262	2263	2264	2265	2266	2267	2268	2269	2270	2271	2272	2273	2274	2275	2276	2277	2278	2279	2280	2281	2282	2283	2284	2285	2286	2287	2288	2289	2290	2291	2292	2293	2294	2295	2296	2297	2298	2299	2300	2301	2302	2303	2304	2305	2306	2307	2308	2309	2310	2311	2312	2313	2314	2315	2316	2317	2318	2319	2320	2321	2322	2323	2324	2325	2326	2327	2328	2329	2330	2331	2332	2333	2334	2335	2336	2337	2338	2339	2340	2341	2342	2343	2344	2345	2346	2347	2348	2349	2350	2351	2352	2353	2354	2355	2356	2357	2358	2359	2360	2361	2362	2363	2364	2365	2366	2367	2368	2369	2370	2371	2372	2373	2374	2375	2376	2377	2378	2379	2380	2381	2382	2383	2384	2385	2386	2387	2388	2389	2390	2391	2392	2393	2394	2395	2396	2397	2398	2399	2400	2401	2402	2403	2404	2405	2406	2407	2408	2409	2410	2411	2412	2413	2414	2415	2416	2417	2418	2419	2420	2421	2422	2423	2424	2425	2426	2427	2428	2429	2430	2431	2432	2433	2434	2435	2436	2437	2438	2439	2440	2441	2442	2443	2444	2445	2446	2447	2448	2449	2450	2451	2452	2453	2454	2455	2456	2457	2458	2459	2460	2461	2462	2463	2464	2465	2466	2467	2468	2469	2470	2471	2472	2473	2474	2475	2476	2477	2478	2479	2480	2481	2482	2483	2484	2485	2486	2487	2488	2489	2490	2491	2492	2493	2494	2495	2496	2497	2498	2499	2500	2501	2502	2503	2504	2505	2506	2507	2508	2509	2510	2511	2512	2513	2514	2515	2516	2517	2518	2519	2520	2521	2522	2523	2524	2525	2526	2527	2528	2529	2530	2531	2532	2533	2534	2535	2536	2537	2538	2539	2540	2541	2542	2543	2544	2545	2546	2547	2548	2549	2550	2551	2552	2553	2554	2555	2556	2557	2558	2559	2560	2561	2562	2563	2564	2565	2566	2567	2568	2569	2570	2571	2572	2573	2574	2575	2576	2577	2578	2579	2580	2581	2582	2583	2584	2585	2586	2587	2588	2589	2590	2591	2592	2593	2594	2595	2596	2597	2598	2599	2600	2601	2602	2603	2604	2605	2606	2607	2608	2609	2610	2611	2612	2613	2614	2615	2616	2617	2618	2619	2620	2621	2622	2623	2624	2625	2626	2627	2628	2629	2630	2631	2632	2633	2634	2635	2636	2637	2638	2639	2640	2641	2642	2643	2644	2645	2646	2647	2648	2649	2650	2651	2652	2653	2654	2655	2656	2657	2658	2659	2660	2661	2662	2663	2664	2665	2666	2667	2668	2669	2670	2671	2672	2673	2674	2675	2676	2677	2678	2679	2680	2681	2682	2683	2684	2685	2686	2687	2688	2689	2690	2691	2692	2693	2694	2695	2696	2697	2698	2699	2700	2701	2702	2703	2704	2705	2706	2707	2708	2709	2710	2711	2712	2713	2714	2715	2716	2717	2718	2719	2720	2721	2722	2723	2724	2725	2726	2727	2728	2729	2730	2731	2732	2733	2734	2735	2736	2737	2738	2739	2740	2741	2742	2743	2744	2745	2746	2747	2748	2749	2750	2751	2752	2753	2754	2755	2756	2757	2758	2759	2760	2761	2762	2763	2764	2765	2766	2767	2768	2769	2770	2771	2772	2773	2774	2775	2776	2777	2778	2779	2780	2781	2782	2783	2784	2785	2786	2787	2788	2789	2790	2791	2792	2793	2794	2795	2796	2797	2798	2799	2800	2801	2802	2803	2804	2805	2806	2807	2808	2809	2810	2811	2812	2813	2814	2815	2816	2817	2818	2819	2820	2821	2822	2823	2824	2825	2826	2827	2828	2829	2830	2831	2832	2833	2834	2835	2836	2837	2838	2839	2840	2841	2842	2843	2844	2845	2846	2847	2848	2849	2850	2851	2852	2853	2854	2855	2856	2857	2858	2859	2860	2861	2862	2863	2864	2865	2866	2867	2868	2869	2870	2871	2872	2873	2874	2875	2876	2877	2878	2879	2880	2881	2882	2883	2884	2885	2886	2887	2888	2889	2890	2891	2892	2893	2894	2895	2896	2897	2898	2899	2900	2901	2902	2903	2904	2905	2906	2907	2908	2909	2910	2911	2912	2913	2914	2915	2916	2917	2918	2919	2920	2921	2922	2923	2924	2925	2926	2927	2928	2929	2930	2931	2932	2933	2934	2935	2936	2937	2938	2939	2940	2941	2942	2943	2944	2945	2946	2947	2948	2949	2950	2951	2952	2953	2954	2955	2956	2957	2958	2959	2960	2961	2962	2963	2964	2965	2966	2967	2968	2969	2970	2971	2972	2973	2974	2975	2976	2977	2978	2979	2980	2981	2982	2983	2984	2985	2986	2987	2988	2989	2990	2991	2992	2993	2994	2995	2996	2997	2998	2999	3000
------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------



●●● “嘿，您说的那个我懂”

人呀，一旦上了年纪，就会变得越来越健忘，“呃——那个什么的”，经常会冒出类似的话语吧！不过，这个经常性健忘是最近才来势凶猛的。

“呃——刚才的那个什么……”想问问家人，答曰：“不知道。”

如此这般反复数次之后，家人也不耐烦了，说：“你看着办吧！”

不只是在家里如此，外出也一样。

“呃——那个什么……”和同行在一起时，这样的话语像皮球一般，在彼此间抛来抛去。友人之间的呀、同行之间的呀，熟知的东西居然忘了一半。刚想起一个话题，却怎么也想不起某个人的名字：“呃——喂喂……那个——就是在那里见过呀……”

“是的是的，是那个吧……”说来说去，就是想不起某个人的名字。好在那个的“那个”是什么，大家都心知肚明，只是

想不起名字罢了。

有时，我在老伙伴南伸坊^①面前，那个的“那个”说多了，南伸坊会忍不住说：“您说的那个，我懂。”被他这么一说，我常忍不住哈哈大笑起来。

的确，关于那个的“那个”，他是知道的。我们俩都懂，只是想不起那个人的名字。反正两个人都知道自己在说什么，所以话题依然可以继续下去。继续，继续，一路上被卡住的只是被忘记的名字。

“喂喂……那个呀……”

“对对对，就是那个家伙……”

“哎呀，那个人是谁呢……”

“啊啊啊，您说的我懂。”

就是这样，“您说的我懂”频频跳出，以至于大家常常捧腹大笑。

这种状态，我们称之为“老人力上身了”。一般说来，这是人上了年纪后才可能出现的现象，有人称之为“老年痴呆”、“老糊涂”，而我们却偏要说：“那家伙的老人力真带劲呀！”

这样说的话，就会觉得随着年纪的增长，人的积极性也上来了。不是挺好的吗？

人上岁数，开始丢三落四了。不过对于自己来说，这只是

①日本知名编辑、插画家、散文家和漫画家，也为包括《老人力》在内的不少书设计过装帧。

迈向未知领域的开始，仿佛迎来了人生的第二春。

又仿佛是乘上宇宙飞船，闯入人生的旅途，一路颠簸前行。从幼年区域闯过少年区域、青年区域，又从中年区域逼近老年区域。于是，拥有了从未体验过的“老人力”。

接着，“老人力”的功力越来越强，火力十足了。老人力一上身，记性就丢盔弃甲了。

其实，即使不去老年区域，人类原本就有忘却力。当记忆力的发动机嗡嗡作响的时候，在旋转轴的另一侧，忘却力也被释放了出来。

空调机就是这样。接通电源后，虽然室内凉风习习，但是窗外的室外机却在不断地释放热气。

哎呀，就是这样呀！总之，最近我身上的老人力越来越带劲了呀！

说到我们，哦不，我是说这是我们路上观察学会的事儿。也就是说，老人力的发现缘于这个圈子。其中，藤森照信^①和南伸坊是第一发现者。不过，发现者虽是这二人，而我却是被发现者。也就是说，从我这个“素材”身上，二人发现了老人力。

如果要问我的与众不同之处，哎呀哎呀，那只是“老糊涂”而已呀！在这个路上观察学会当中，我的别称是“痴呆老人”。

①日本的建筑史家、建筑家。曾任东北大学讲师，工学院大学教授、东京大学教授等。出版过《日本的近代建筑》等与建筑有关的书籍。

我已年过花甲，而其他的成员都是人口生育高峰期出生的一代，和我的年龄相差一轮。因此，我提前一步成为“痴呆老人”，也没有什么不可思议的。所以，对于这样的称呼，我并不感觉特别沮丧。不过又听说，大家似乎也觉得这种叫法有点不妥。于是，在一次大家共同赴外地考察下榻某地的晚上，有了这样的话题。

顺便说说，所谓的路上观察学会，其实不过是个由区区数人组成的小团体。大家相约去外地考察时，才有一同住宿的机会。那一次，我碰巧和藤森照信、南伸坊同住一个房间。其时，妙语连珠，诸如好友间的笑骂、诽谤、嘲笑等，可谓应有尽有。就是这二人一边聊着“痴呆老人”的话题，一边陷入了思考。

呵呵，在我看来，这二人也逐渐老糊涂了——想不起名字、记不清事儿、想不起日期，而且这种状态逐渐常态化了。

如果不是因为这个原因，把“长老”叫做“痴呆老人”，毕竟不太合适吧！何况他们自己也即将身临其境了。反正大家迟早都要变成老糊涂的，所以，还是想个稍微妥帖点的词语吧！把某个人叫成“痴呆老人”，会让人觉得这个人一无是处。既然如此，为什么不把“痴呆”看成是一种新能量，并赋予它一种积极的意义呢？嗯，叫老人力如何？好哇好哇，老人力！就这样，在人类历史上，第一次有人把“老年痴呆”看成是一种新能量。

忘却却是美好的。

这么说来，不禁让我想起发生在昭和初期的一件事。那时，有一个叫做“死了吧”的团体，是一个超乎反政府和革命的、

以“一起死”作为宗旨的团体。听起来超凡脱俗，虽说没有加害于人，但该团体的行为还是显得过于偏激，令人毛骨悚然。

既然如此，那就一起加入“忘却团”如何？也就是说，这是“记忆力之死了团”。忘了忘了，一切都忘了。记忆停止，老人力能量十足。忘了忘了，记性丢盔弃甲了。

关于忘记，路上观察学会已经有过“本驹入”的前例。对于所拍摄的照片，一般人都要记下地点和日期，但是有时，能够正确记忆却是很难的。因为喜欢所以拍照，而拍完了也就置之脑后了。尤其是对于不喜欢记地点什么的人而言，更是忘得一干二净。

有一次，南伸坊在用幻灯片作报告的时候，我随口问道，“好啊好啊，这个拍得真好，请问是在哪儿拍的呀？”

“呃——那个呀——”满嘴“呃呃呃”的，基本上都是我和南伸坊。糟了糟了，一下子又把拍摄地点忘了个精光，真没办法呀！

“这是在哪儿拍的？”

南伸坊一副吞吞吐吐的样子，“呃——呃——”

哈哈，难为情的南伸坊像是一个忘了做作业的小学生。

“地名总该记得吧！”我一再逼问。

情急之下，他脱口而出：“本驹入！”

只有一次，他难能可贵地记住了拍照地点，而地点正是“本驹入”。看来，这一次在情急之下，他索性如法炮制。但是之后，他还是满嘴“呃呃呃”的，这不能不让人觉得有些蹊跷。因为，

“呃呃呃”最终让他露出了马脚。但是，我们也拿他没辙。

之后，只要他“呃呃呃”的老毛病一犯，旁观者就会马上起哄：“本驹人！本驹人！”

可怜的“本驹人”成了被恶搞的对象。哎呀哎呀，不管怎样，这也是一种助力，或者说，“本驹人”无非就是类似于歌舞伎演员的堂号“成驹屋”吧！

那之后，只要有谁忘了拍摄地点的名称，就被一律贴上“本驹人”这个标签。

最近，在文学等一些正经八百的世界里，流行着“治愈”这么一个词儿。“本驹人”和“呃呃呃”，不就是一剂放松药吗？难道说错了吗？哦不不不，没错没错。总之，有前例为证呀！

回头看看，虽说的确是遗忘，不过，也不排除本来就不想记住的情况。怎么说呢，大概就是因为自己不喜欢，总觉得这种记忆和自己不对脾气的缘故吧！

有人能够牢记葡萄酒的味道和酒名，甚至还能详尽地指出年份上的差异。对于这种情况，大概就是因为喜欢，很是对劲儿的缘故吧！记住，是因为喜欢；忘记，是因为厌恶。

而我们这些人，能够记得住酒的味道，却几乎记不住酒名。因此，无法让二者对号入座。

“喂喂，那个什么的，这个就是去松元时喝的那个葡萄酒呀……”

话虽这么说，而那个葡萄酒姓甚名谁，却只有天知地知了。

因此，要是有个“葡萄酒观察学会”，我就只能成为一个地

地道道的“本驹人”了。

“这个威士忌的产地是哪里？”

“呃……本驹人！”

大概就是如此吧！我不清楚本驹人究竟有无葡萄酒厂，不过在我心里，本驹人完全就是葡萄酒的一大产地。岂止是一大产地呀，全世界的葡萄酒都应该是来自本驹人的！如此一来，贸易摩擦之类的事儿也就会随之而来了吧！

想来，南伸坊心里也是这么想的吧！葡萄酒的产地非本驹人莫属，就连产业图也画好了。不只是葡萄酒，还有汽车等，都产于本驹人，那里全球性规模的工厂一座连着一座。

说到汽车，我并无抵触心理。标致是法国产的，奔驰是德国产的，劳斯莱斯是英国产的，法拉利是意大利产的……当然，汽车工厂不只限于本驹人，而是分散在世界各地。

不管怎样，或许说，丢三落四的记性成了老人力赖以产生的温床。因此，我身上的老人力被别人发现之后，也没有感到有什么特别别扭的地方。相反，对于广闻博见的人来说，会是一种怎样的心情呢？那之前的密密麻麻的、分散在世界各地的葡萄酒产业图，在老人力运转的同时，从其中的一端开始，一点一点地被撕碎，接着，又从被撕碎的那一端开始，全部被聚集到了日本东京的本驹人。

哦，不只是这样，在老人力终于得到一般大众认可的拂晓，在东京，在本驹人，将矗立起一座忘却纪念碑……



●●● 忘却力从何而来

可以说，老人力是一种相当复杂的能量，是不能轻而易举地获得的。

就像是翻山越岭，然后沿着崖际行走，接着跳过断崖，潜入瀑潭深处，最后钻过洞窟，当人半死不活地疲倦地横躺在被褥上时，才有可能获得一种神秘的力——老人力，一种无法轻易获得的力。

说到老人，大抵上就是先上完了小学、初中和高中，觉得不够的，又上了大学。其间，打过的短工，因人而异，或是进了班房，或是结了婚，或是离了婚，或是遭遇破产而连夜逃命。而一帆风顺的，或是得了糖尿病，甚至罹患肝硬化。或者当你走过天桥，站在路边吃了一碗荞麦面条之后，因随地小便而被人看见……凡此种种，最后的最后，才终于成了一个老人。

啊，老人嘛，原来如此呀！不过，即使你认为当老人挺好，可就算你缴纳了五百万日元，也不可能马上变为老人呀！



事实上，这种珍贵难得的老人力，一直被人们所唾弃。因为大家都讨厌健忘，讨厌步履蹒跚。谁都想广闻博见，都想尽量多地收集一些信息。

丢三落四、体力衰弱、步伐蹒跚、口水流淌、视力模糊，或是人老眼花、喋喋不休……诸如此类的，正是老人力的特征。而这些，也正是人们所厌恶的。

总之，从人类认知的倾向上来看，总想广闻博见、体魄健全、稳步前行、不流口水、视野清晰、话语简洁，并以此作为目标。这也可以说是大家的正面价值取向，但是所谓的正面价值取向未必都是有益的。

比如，在职业棒球的世界里，未必有人知道老人力的必要性。乍一看，这是一个实力强大的选手，然而因为缺乏老人力，所以很难升上一军。

或许有人会问，年轻人也有老人力吗？有，的确有。在你毫无觉察的情况下，老人力已经潜藏在你的体内了。

能够成为职业棒球手的，大都体力不凡。可以说，没有超乎一般人的强健体魄，是成不了职业棒球手的。那么，是否可以说，在职业棒球手当中，体力最强的就是最佳的选手呢？事实未必如此。

比如，在比赛中遇到两出局满垒的情况，有些教练会边喊“暂停”边跑出来，拍拍击球手的肩膀，低声嘱咐道：“放松，少用力！”

难道是教练弄错了吗？要知道，多少人坚持不懈地增强体